हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 123 | देहरादून, शनिवार, 04 नवंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सीएम धामी ने मांगी वंदे भारत ट्रेन 3

एसीएस राधा रतूड़ी ने मुख्यमंत्री घोषणाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिए

विभागों को अपने आन्तरिक विभाजनों को समाप्त कर समन्वय से कार्य करने की नसीहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 नवंबर , एसीएस राधा रतूड़ी ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि जो कार्य मुख्यमंत्री की घोषणा में आ गये हैं वे स्वतः ही जनहित की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हो गए हैं, इनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की कमी या अनावश्यक विलम्ब स्वीकार नही किया जाएगा। एसीएस ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के तहत किये जाने वाले कार्य शीर्ष प्राथमिकता और समयबद्धता से पूरे किये जाने आवश्यक हैं। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सचिवालय में मुख्यमंत्री की घोषणाओं के तहत पर्यटन विभाग, पंचायती राज्य विभाग, समाज कल्याण विभाग द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की।

अपर मुख्य सचिव रतूड़ी ने विशेषकर पर्यटन विभाग को अपने आन्तरिक विभाजनों को समाप्त कर यूटीडीबी (उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड), डीटीडीओ (जिला पर्यटन विकास अधिकारी), कन्सलटेंट्स और स्टेकहोल्डर्स को प्रभावी समन्वय के साथ कार्यो को पूरा करने के नसीहत दी हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपर सचिव पर्यटन को हर सप्ताह यूटीडीबी, जीएमवीएन, केएमवीएन के साथ वर्चुअल माध्यम से योजनाओं की धरातल स्तर पर समीक्षा के निर्देश दिए हैं। एसीएस ने कुमाऊँ क्षेत्र में पर्यटन विभाग के तहत किये जाने वाले मन्दिरों के सौन्दर्यीकरण के कार्यो को औचित्य के आधार पर मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन में समाहित करने के निर्देश दिए हैं।

अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने पंचायती राज विभाग, संस्कृति व धर्मस्व विभाग तथा समाज कल्याण विभाग को योजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव एस एन पाण्डेय, अपर सचिव पूजा गर्ब्याल, जगदीश काण्डपाल तथा सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना में 5265 किलोवॉट के पांच प्लांट को मंजूरी

- मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के अंतर्गत विगत दिनों आमंत्रित किये गए थे प्रस्ताव
- राज्य में हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही योजना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 नवंबर , राज्य में हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना में 5265 किलोवॉट क्षमता के पांच सोलर पॉवर प्लांट को मंजूरी प्रदान की गई है। राज्य में हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ये योजना चलाई जा रही है। राज्य में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना का इसके अंतर्गत संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में शासन द्वारा अधिसूचित उत्तराखंड राज्य सौर नीति-2023 के अंतर्गत टाइप-टू श्रेणी में उरेडा द्वारा आवेदन के लिए 20 जुलाई 2023 को प्रस्ताव आमंत्रित किये गए थे।

ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम ने जानकारी दी है कि शासन स्तर पर उनकी अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय अनुवीक्षण समिति द्वारा पांच प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इनकी कुल क्षमता 5265 किलोवॉट है। उन्होंने बताया कि इन परियोजनाओं से राज्य में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में लगभग 24 करोड़ का निवेश होगा, साथ ही हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि राज्य में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के साथ ही उत्तराखंड पॉवर कॉर्पोरेशन लिमोटेड के घरेलू उपभोक्ताओं म लिए रूफटॉप सोलर पावर प्लांट की स्थापना की जाती है जिस पर केंद्र के अलावा राज्य सरकार द्वारा भी अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जाती है।

राष्ट्रपति के बदरीनाथ दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने परखी व्यवस्थाएं

चमोली। बदरीनाथ धाम में माननीय राष्ट्रपति के आठ नवंबर को प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने शुक्रवार को बद्रीनाथ में अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को हेलीपैड से मंदिर परिसर तक सुरक्षा के दृष्टिगत सभी प्वाइंट चिन्हित करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। हेलीपैड पर सेफ हाउस, साफ सफाई और पानी का छिडक़ाव करने को कहा। हेलीपैड से साकेत तिराहे तक आवागमन मार्ग को गड्ढा मुक्त करने और सडक किनारे निर्माण सामग्री को सुव्यवस्थित ढंग से रखने के निर्देश दिए। नगर पंचायत को खाली दीवारों पर रंग रोगन के साथ धाम में विशेष साफ सफाई रखने और आवागमन मार्ग से अनावश्यक सामग्री हटाने को कहा। मंदिर समिति को मंदिर परिसर में दर्शन पूजा एवं गेस्ट हाउस में अल्प विश्राम की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस दौरान

जिलाधिकारी ने बीआरओ गेस्ट हाउस, मंदिर परिसर, आवागमन मार्ग में सुरक्षा-व्यवस्था की तैयारियों को लेकर हर चीज का बारीकी से निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी डा अभिषेक त्रिपाठी, एसडीएम कुमकुम जोशी, तहसीलदार रवि शाह, राजस्व निरीक्षक देवेन्द्र नेगी, ईओ सुनील पुरोहित सहित संबधित अधिकारी मौजूद थे।

उत्तराखंड : अब पड़ेगी कड़ाके की ठंड इन जिलों में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 04 नवंबर : उत्तराखंड के कई जिलों में बीते दिन आसमान साफ रहा, हालांकि अब मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन हिमालयी क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ सकती है। जिसका असर बारिश-बर्फबारी के रूप में देखने को मिलेगा। तापमान में तेजी से गिरावट आएगी। प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी और आसपास के निचले हिस्सों में बूंदाबांदी के आसार बनेंगे । तुंगनाथ से लेकर केदारनाथ तक बर्फबारी हो रही है।

चोटियों पर पड़ी बर्फ पिघलने से हल्की हवा के साथ पर्वतीय क्षेत्रों में कंपकंपी महसूस की जा रही है। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। आसपास के क्षेत्रों में बूंदाबांदी के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार फिलहाल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता कम है, लेकिन अगले दो से तीन दिन में हरियाणा, हिमाचल के साथ ही उत्तराखंड में ताजा पश्चिमी विक्षोभ दस्तक दे सकता है।

जिससे उच्च हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी हो सकती है। बीते दिन प्रदेश में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास बना रहा, हालांकि सुबह-शाम ठंड में इजाफा हुआ है। पहाड़ों में गिरी बर्फ का असर निचले इलाकों में महसूस किया जा रहा है, यहां रहने वाले लोगों की कंपकंपी छूट रही है। आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बढ़ते ही बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू हो जाएगा। चारधाम यात्रा जिलों में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है, हालांकि श्रद्धालुओं के उत्साह में किसी तरह की कमी नहीं आई है।

भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का 22 जनवरी 2024 को, ये है शेड्यूल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , अयोध्या में बन रहे भव्य राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 को होना है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में निमंत्रण को स्वीकार करते हुए खुद इसकी जानकारी दी है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया था। अब पूरे भव्य कार्यक्रम पर देश दुनिया की नज़र है लिहाज़ा आपको बताते हैं कैसा होगा उद्घाटन समारोह

दोपहर साढ़े बारह बजे से कार्यक्रम

श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 22 जनवरी को दोपहर साढ़े 12 बजे से शुरू होगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों महासचिव चंपत राय, निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा, पेजावर मठ के विश्वप्रशन्न तीर्थ महाराज व स्वामी गोविंददेव गिरि जी महाराज ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर उनको निमंत्रित किया। जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। न्यास उस स्थान पर मंदिर के निर्माण की अध्यक्षता कर रहा है जहां भक्तों का मानना है कि भगवान राम का जन्म हुआ था। बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा था कि 22 जनवरी को अयोध्या मंदिर में भगवान राम की मूर्ति स्थापित की जाएगी, और लोगों से इस अवसर का जश्न मनाने के लिए देश भर के मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित करने को कहा।

सीएम योगी ने जताया आभार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रामजन्म भूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में आने का निमंत्रण स्वीकार करने पर खुशी जाहिर की है। सीएम योगी ने एक्स पर प्रसन्नता जताते हुए इसे करोड़ों रामभक्तों की भावनाओं का सम्मान करार दिया है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर रामचरित मानस के दोहे के माध्यम से पीएम मोदी का आभार जताते हुए लिखा, "जासु बिरहें सोचहु दिन राती, रटहु निरंतर गुन गन पाँती ।। रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता। आयउ कुसल देव मुनि त्राता।।

उन्होंने कहा, "सनातन आस्था के अवलंब प्रभु श्री राम की प्राणप्रिय नगरी अयोध्या धाम में श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण के फलस्वरूप श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा का उल्लास, आह्लाद, गौरव एवं आत्मसंतोष का चिरप्रतीक्षित आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से कोटि-कोटि रामभक्तों की भावनाओं का प्रतिबिंब बनेगा। जय-जय सीता

राम । बता दें कि देश के 4000 संत महात्मा एवं समाज के 2500 प्रतिष्ठित महानुभाव इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे।"

क्या है कार्यक्रम की रूपरेखा

17 जनवरी को जल यात्रा के साथ धार्मिक कर्मकांड की शुरू होगा। अनुष्ठान का शुभारम्भ गणेश पूजन किया जाएगा। श्रीविग्रह का अलग-अलग अधिवास होगा। अंत में शैय्याधिवास के बाद रामलला गर्भगृह में महापीठ पर प्रतिष्ठित हो जाएंगे।22 जनवरी को रामलला के श्रीविग्रह का अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेत्रोन्मिलन से (नेत्र खोलकर) करेंगे।. मृगशिरा नक्षत्र 22 जनवरी सोमवार को अपराह्न 3.52 बजे से 23 जनवरी मंगलवार को 4.58 बजे तक है।

क्या होता है फाइनेंशियल गोल ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , अपने युवा सपनों को पूरा करने में एक आम आदमी की कमाई का एक बड़ा हिस्सा खर्च हो जाता है. वक्त के साथ वह हर महीने पैसों की तंगी से धीरे-धीरे जूझना शुरू कर देता है. जैसे-जैसे उसे नौकरी करते वक्त बीतता है उसके पास पैसों की कमी आनी शुरू हो जाती है. कभी वह दोस्तों से उधार लेता है तो किसी वक्त बैंक से पर्सनल लोन ले लेता है. लेकिन इन सब के बीच वह अपने फाइनेंशियल गोल को सेट करना भूल जाता है, क्योंकि उसकी मुख्य परेशानी मनी मैनेजमेंट तक आकर रुक जाती है. आज की स्टोरी में हम या समझेंगे की मनी मैनेजमेंट के साथ फाइनेंशियल गोल का सेट होना एक आम आदमी के लिए क्यों जरूरी होता है.

क्या होता है फाइनेंशियल गोल ?

फाइनेंशियल गोल किसी व्यक्ति के जीवन का लक्ष्य होता है जिसे वह आने वाले कुछ वर्षों में पूरा करने के ख्वाहिश देखा है. एक बार

फाइनेंशियल गोल पूरा हो जाने के बाद वह अपनी मुख्य जरूरतों को पूरा कर लेता है, जिसमें उसका ड्रीम होम ड्रीम बाइक ड्रीम कार आदि शामिल होती है. एक्सपर्ट हमेशा कहते हैं की नौकरी शुरू करने के साथ-साथ व्यक्ति को अपने फाइनेंशियल गोल के प्रति भी ईमानदार होना चाहिए. क्योंकि फाइनेंशियल गोल उसे किसी भी मुश्किल घड़ी में एक बड़े भाई की भूमिका में कंधा से कंधा मिलाकर खड़े होता है.

कैसे कर सकते हैं प्लानिंग ?

अगर आप अभी तक फाइनेंशियल गोल सेट नहीं कर पाए हैं तो आपको इसके बारे में एक बार विचार करना चाहिए. बढ़ती महंगाई आने वाले समय में आपकी जरूरत पर होने वाले खर्चो को बढ़ा सकती है और इससे बचने के लिए एकमात्र समाधान आपके फाइनेंशियल गोल का समय पर पूरा होना है. हर व्यक्ति के लिए उसका फाइनेंशियल गोल अलग-अलग हो सकता है. ऐसे में आपको सबसे पहले ही आता है करना चाहिए कि आप जीवन में क्या करना चाहते हैं क्या खरीदना चाहते हैं और इसके लिए कितने पैसों की जरूरत पड़ेगी. मान लीजिए आप एक ड्रीम होम खरीदना चाहते हैं तो उसके लिए आपको डाउन पेमेंट के तौर पर 10 से 20 लाख रुपए की जरूरत पड़ती है. यदि आपकी सैलरी इस समय 50000 रुपये महीना है. उसका 20 फीसदी हिस्सा आज से सेविंग के तौर पर निवेश कर सकते हैं. बाकी के 80 फीसदी अमाउंट को अपनी जरूरत और शौक को पूरा करने के लिए खर्च कर सकते हैं. यहां 30,20 और 50 वाला फॉर्मूला भी काम करता है.

कहां करें निवेश ?

अगर आप इस बात को लेकर भी कंफ्यूज हैं कि कमाई के उन 20 फीसदी पैसों का निवेश कहां करें ताकि बेहतर रिटर्न मिल सके, तो हम आपके लिए एक सुझाव दे सकते हैं. अगर आपको शेयर बाजार की समझ नहीं है तो आप म्युचुअल फंड में पैसा लगा सकते हैं. आप उन 10,000 रुपयों की SIP शुरू कर सकते हैं. अगर आप आज से 10,000 रुपये प्रति महीने की SIP शुरू करते हैं और आपको 12 फीसदी का औसत रिटर्न मिलता है जो की औसत रिटर्न 15% से भी कम है तब भी आप अगले 10 साल में 23 लाख 23 हजार रुपये का फंड तैयार कर लेंगे. एक्सपर्ट बताते हैं कि व्यक्ति की कमाई जिस हिसाब से हर साल बढ़ती हो, उसे निवेश भी उसी दर से हर वर्ष बढ़ाते रहना चाहिए. अगर आप ऐसा कर देते हैं तो समझ लीजिए कि यह रकम 23 लाख नहीं 50 लाख तक भी जा सकता है.

टाइगर और शेर में कौन ज्यादा खतरनाक है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , बहुत लोगों को जंगल में सफारी करना अच्छा लगता है. वे लोग जंगल में शेर और बाघ को शिकार करते हुए देखना पसंद करते हैं. आए दिन सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते रहते हैं, जिसमें लोग पिंजरे में कैद शेर और बाघ के साथ सेल्फी लेते हुए दिखते हैं. कई बार तो ऐसी तस्वीर भी सामने आती है, जिसमें शेर और बाघ कुछ ऐसी हरकत कर देते हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है. क्या कभी आपने सोचा है कि शेर और बाघ में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन होता है? कौन सबसे जल्दी शिकार कर लेता है? और कौन सबसे अधिक फुर्तीला होता है? अगर अभी तक आपको इसका जवाब नहीं मालूम है तो यह स्टोरी आपके लिए है.

टाइगर और शेर में कौन अधिक शक्तिशाली ?

आम तौर पर बाघों को शेरों से ज्यादा खतरनाक माना जाता है. वे बड़े, मजबूत और अधिक ताकतवर जबड़े वाले होते हैं. बाघ ज्यादा अकेले रहने वाले जानवर हैं. वे अक्सर अकेले ही शिकार करना पसंद करते हैं. बाघ तैरने में भी सक्षम होते हैं. बाघ शेरों की तुलना में लंबे, ज्यादा मस्कुलर और आम तौर पर वज़न में भारी होते हैं. बाघों के पैर मज़बूत होते हैं और ये शेरों की तुलना में बहुत ज्यादा ऐक्टिव और फुर्तीले होते हैं. ये ज्यादा चुस्त, फुर्तीले और उग्र होते हैं. जबकि शेरों के बारे में सोचा जाता है कि वो आलसी किस्म के होते हैं और तभी कुछ करते हैं जब उन्हें कुछ करने की ज़रूरत पड़ती है. बाघ का वज़न शेर के मुकाबले ज्यादा होता है.

शेर का शरीर बड़ा और भारी होता है. इसकी दहाड़ और ताकत जंगल में सबसे खतरनाक मानी जाती है. शेर की लंबाई 10 फुट तक हो सकती है और वजन 250 किलोग्राम तक हो सकता है. अफ्रीका और भारत में शेर पाए जाते हैं. शेर किसी भी बड़े जानवर का शिकार करने की ताकत रखता है. शेर तैर नहीं सकता और इसे उसकी कमजोरी माना जाता है. कभी-कभी शिकार उसका शोषण करता है.

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सीएम धामी ने मांगी वंदे भारत ट्रेन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिल्ली , 4 नवंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में रेल भवन पहुंचकर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर प्रदेश में सुदृढ़ रेल कनेक्टिविटी के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने रेल मंत्री से लखनऊ से देहरादून के मध्य ₹वंदे भारत एक्सप्रेस₹ के संचालन एवं पर्वतीय क्षेत्रों में रेल सेवा के विस्तार के दृष्टिगत बहुप्रतीक्षित टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन निर्माण की यथाशीघ्र स्वीकृति प्रदान करने हेतु अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद से काठगोदाम, हरिद्वार और देहरादून को जोड़ने हेतु सीधी रेल सेवा शुरू करने, दून एक्सप्रेस में कोटद्वार के कोच का व जनता एक्सप्रेस में रामनगर के कोच का पुनः परिचालन करने एवं टनकपुर से राजस्थान के मेहंदीपुर बालाजी तक नई रेल सेवा प्रारम्भ करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेल सेवाओं के विस्तार से प्रदेशवासियों एवं पर्यटकों के लिए आने वाले समय में यातायात सुगम होगा साथ ही पर्यटन प्रमुख राज्य होने के कारण प्रदेश की आर्थिकी भी सशक्त होगी। केंद्रीय रेल मंत्री ने हर सम्भव सहयोग के प्रति मुख्यमंत्री श्री धामी को आश्वस्त किया।

मसूरी विधानसभा क्षेत्र के सड़कों पुलों, आंतरिक मार्गों की मंत्री जोशी ने की समीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 नवम्बर : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को कैंप कार्यालय में मसूरी विधानसभा क्षेत्र की सड़कों, पुलों के निर्माण से संबंधित कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ विकास कार्यों के लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल सड़कों, पुलों, आंतरिक मार्गो के निर्माण कार्यों की प्रगति जानकारी लेते हुए अधिकारियों को मुख्यमंत्री घोषणा के तहत विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कार्य करने के निर्देश दिए।

मंत्री जोशी ने मोटी धार मसराना, बार्लोगंज-चामासारी लुहारीगढ़, छमरोली से डोमकोट, गढ़ भुरांस खण्ड, चामासारी से तलवाड़ी गाड़ होते हुए राजपुर टोल से रिस्पना, रिखोली हल्दुखाल में सेतु निर्माण सहित मार्ग का निर्माण गलज्वाड़ी, संतला देवी, क्यारा-धनोल्टी, सहित कई जगहों की आंतरिक सड़क मार्गों के सेतु निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त मंत्री ने आपदा में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का निर्माण कार्य भी जल्द से जल्द किया जाए।

उन्होंने भूमि के लंबित प्रकरणों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों को खराब सड़को की मरम्मत के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। मंत्री ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण में फॉरेस्ट क्लियरेंस की आ रही दिक्कतों को शीघ्र निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। मंत्री ने फॉरेस्ट क्लियरेंस से संबंधित कार्यों को लेकर वन विभाग के अधिकारियों के आपसी समन्वय स्थापित किया जाए। इस दौरान मंत्री ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों हेतु किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी ली। इस अवसर पर ईई जितेंद्र त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरण शिक्षा पर आधारित पुस्तक 'ऐन्वायर्नमेंटल स्टडीज़ फ्रॉम क्राइसिस टू क्योर' का विमोचन

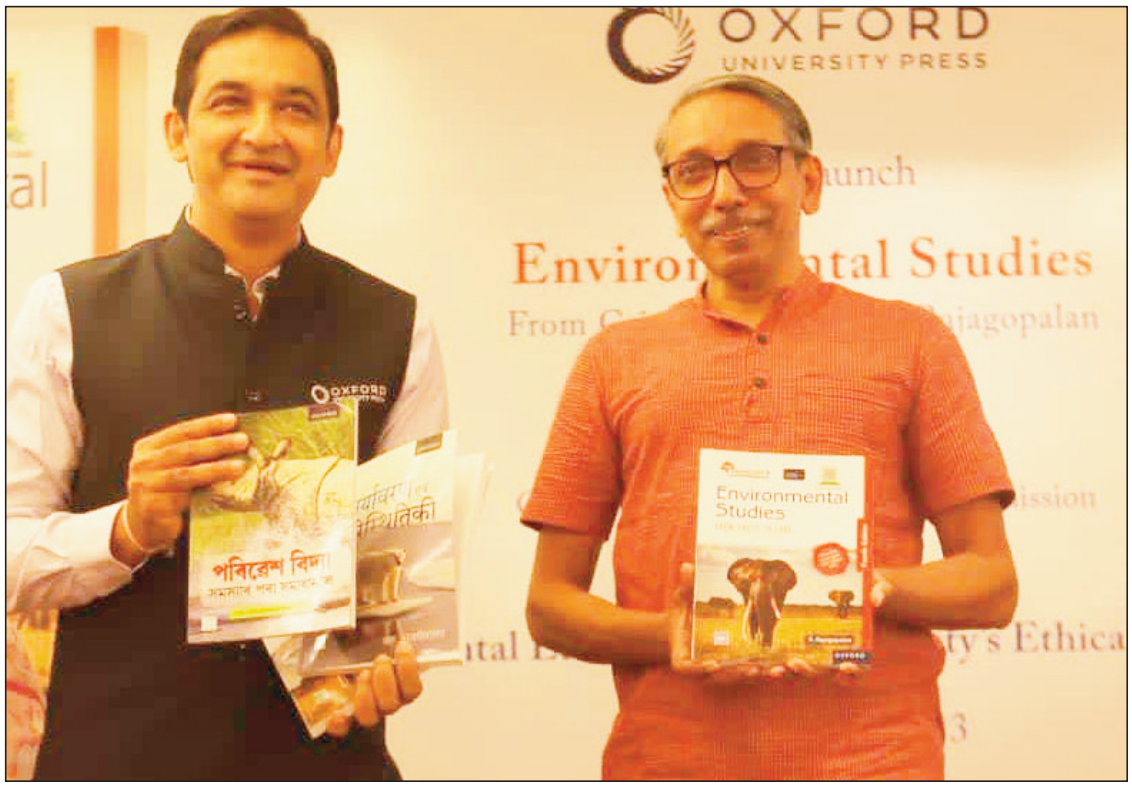

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 नंबवर 2023। पर्यावरणीय मुद्दों पर आधारित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के चेयरमैन डॉ एम. जगदीश कुमार ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित नवीन पुस्तक 'ऐन्वायर्नमेंटल स्टडीज़ फ्रॉम क्राइसिस टू क्योर' का दिल्ली में विमोचन किया। पुस्तक को आईआईटी मद्रास के पूर्व शिक्षक प्रोफेसर आर राजागोपालन ने लिखा है, यह किताब बैस्टसैलर है। इसे व्यापक तौर पर पर्यावरणीय अध्ययन के लिए बुनियादी संसाधन माना जाता है। यह किताब अभी अपने चौथे संस्करण में है और यह नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विकसित पर्यावरण शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देश और पाठ्यक्रम रूपरेखा 2023 को पूरी तरह अपने दायरे में लेती है। यह पुस्तक उस तरीके को नया आकार देने का प्रयास करती है जिससे विद्यार्थी पर्यावरण पर विचार करते व उसके साथ जुड़ते हैं। दिल्ली में हुए इस बुक लांच में डॉ कुमार ने बढ़ती पर्यावरणीय चिंताओं के समाधान के लिए यूजीसी की प्रतिबद्धता को दोहराया। डॉ कुमार ने युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने की अहमियत पर बल दिया, उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे जिम्मेदारी और लगन के साथ पर्यावरण की बेहतरी में संलग्न हों।

हमारा लक्ष्य भावी पीढ़ी को पर्यावरण को लेकर जागरूक करना

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया के प्रबंध निदेशक सुमंता दत्ता ने कहा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस में हम दुनिया भर के विद्यार्थियों एवं शोधकर्ताओं के बीच सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरुकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य है भावी पीढ़ियों को शिक्षित करने के लिए प्रकाशन की शक्ति का सदुपयोग करना, आलोचनात्मक सोच व जानकारीपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ावा देना तथा सकारात्मक एवं दीर्घकालिक बदलाव को आगे बढ़ाना। प्रधानमंत्री के ध्येय 'लाइफस्टाईल फॉर द ऐन्वायर्नमेंट' को दोहराते हुए यह पुस्तक व्यक्तिगत एवं सम्मिलित प्रयासों को प्रोत्साहित करती है जिनसे पर्यावरण की सुरक्षा व संरक्षण हो सके। सुमंता ने कहा बतौर प्रकाशक हम अपनी विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला के प्रभावों को घटाने पर ध्यान केनद्रित कर रहे हैं जिनमें शामिल हैं- कागज निर्माण, प्रिंटिंग और परिवहन - इसके साथ ही डिजिटल पब्लिशिंग का पर्यावरण पर असर भी न्यूनतम कर रहे हैं।

किराएदार.. हड़प सकता है आपका घर ! जानिए पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , देश के हर जिले और शहरों में अधिकतर लोग ज्यादा इनकम जेनरेट करने के लिए अपने घर में बचे एक्स्ट्रा कमरों को किराए पर उठाते हैं क्योंकि ये पैसे कमाने के सबसे आसान तरीकों में से एक होता है। लेकिन मकान मालिक की एक स्माल मिस्टेक के कारण किरायेदार ही प्रॉपर्टी का कारण बन बैठता है। लेकिन कई सालों तक अपने मकान को किराएदार के हवाले छोड़ देना भारी हो सकता है। किरायेदार के भरोसे घर को छोड़ देते हैं। उनका किराया हर महीना उनके अकाउंट में पहुंच जाता है,

ऐसे में शायद ही आपको पता हो कि ये करना मकानमालिक को कितनी मुसीबत में डाल सकता है। बहुत बार ऐसा होता है कि मकान मालिक को अपनी संपत्ति से हाथ तक धोना पड़ सकता है। क्योंकि मकान मालिक की एक लापरवाही उसे भारी पड़ सकते हैं। यही मकान मालिक को सचेत करने कि आवश्यकता होती है।

क्योंकि प्रॉपर्टी के कानून में कुछ ऐसे कानून हैं, जिसकी वजह से किरायेदार के हक का दावा का सकता है। ऐसे में आज हम आपको प्रॉपर्टी से जुड़े कुछ ऐसे कानून के बारे में जानकारी देंगे जो सारे मकान मालिक को पता ही होना चाहिए। प्रॉपर्टी के कानूनों में कुछ इस तरह के नियम हैं, जहां यदि आप लगातार 12 वर्षों तक किसी प्रॉपर्टी पर रहने के बाद किरायेदार उस पर हक का दावा कर सकता है। लेकिन इसके लिए भी शर्तें काफी कठिन है। लेकिन आपकी संपत्ति घेरे में आ सकती है, प्रतिकूल कब्जे का कानून देश की आजादी के पहले का है। प्रॉपर्टी पर अवैध कब्जे का ये कानून है।

अहम बात तो ये है कि ये कानून सरकारी संपत्ति पर लागू नहीं होता है, कई बार तो इस वजह से मालिक को अपनी संपत्ति से हाथ तक धोना पड़ जाता है। किराए में रहने वाले लोग इस कानून का फायदा उठाने की पूरी कोशिश करते हैं। इस कानून के तहत ये साबित करना होता है कि बहुत लंबे समय से आपका प्रॉपर्टी के उपर कब्जा था। साथ ही किसी तरह का रोक टोक भी नहीं किया गया हो। प्रॉपर्टी पर कब्जा करने वाले को टैक्स, बिजली, रसीद, पानी का बिल, गवाहों के एफिडेविट आदि की भी जानकारी देनी होती है।

क्या है बचने का तरीका

इससे बचने का ये तरीका ये है कि आप रेंट एग्रीमेंट बनवा लें। साथ ही संभव हो तो समय पर किरायेदारों को भी आप बदलते रहें। मकान मालिक और किरायेदार के बीच हुई रेंटल एग्रीमेंट यानी किरायानामा के जरिए कानूनी कार्यवाही होती है। रेंट एग्रीमेंट में किराए से लेकर और भी कई तरह की जानकारियां लिखी रहती हैं। रेंट एग्रीमेंट हमेशा 11 महीने के लिए बनता है।

YOUTUBE VIDEO लाइक करने से भी खाली हो सकता है खाता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 3 नवंबर , साइबर अपराधी ठगी के अलग-अलग तरीकों से लोगों को शिकार बना रहे हैं। लोगों को लालच में फंसाकर वारदात को अंजाम देते हैं। जिसके बाद पीड़ित हाथ मलता रह जाता है। ऑनलाइन जॉब स्कैम से भी ऐसे मामलों को अंजाम दिया जाता है। लोग लाखों रुपये इसमें गंवा देते हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में एक शख्स के साथ 77 लाख की ठगी हुई है। 56 साल के सारिकोंडा राजू को लालच में फंसाकर वारदात को अंजाम दिया गया।

बैंक खाते का सावधानी से प्रयोग करें

राजू से आरोपी ने टेलीग्राम अकाउंट से संपर्क किया था। वीडियो लाइक करके उसको मोटी कमाई का झांसा देकर ठगी की गई। राजू को कहा कि जैसे ही यूट्यूब वीडियो को लाइक करे, उसका स्क्रीनशॉट शेयर करे। राजू को फांसने के लिए शुरू में कुछ पैसे दिए गए। जिसके बाद राजू ने अपने बैंक खाते की जानकारी देने के साथ लेन-देन शुरू कर दिया। जिसके बाद उसको तगड़ी चपत लग गई।

बेवजह किसी ऑफर के चक्कर में न पड़ें

लेकिन इससे बचने के तरीके भी जान लीजिए। आपको लगता है कि यूट्यूब वीडियो लाइक करना खास काम नहीं है। लेकिन इससे आप ठगे जा सकते हैं। सबसे पहले जरूरी है अनचाहे ऑफर से बचना। कभी भी अपने बैंक खाते से जुड़ी जानकारी को शेयर न करें। न ही किसी को ओटीपी बताएं। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले उससे बचें। सही ढंग से जांच कर लें।

अगर किसी से ऑनलाइन कोई लिंक मिला है, तो उससे खोलने से बचें। कभी भी अनजान आदमी का भेजा लिंक न क्लिक करें, न ही किसी को शेयर करें। न ही अपने पास सेव करें। कोई भी लिंक शेयर करने या खोलने से पहले जांच लें कि किसने भेजा है। हो सकता है कि किसी परिचित का फोटो या पहचान लगाकर आरोपी आपसे फ्रॉड कर रहा हो

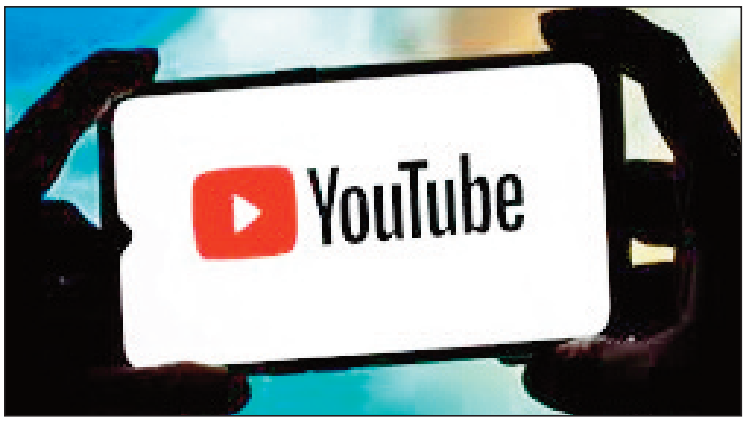

एक हजार लोगों के खाने में भी काफी है दुनिया की सबसे तीखी मिर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , आपने अक्सर महसूस किया होगा कि जब तक खाने में काली मिर्च न हो, स्वाद नहीं आता। लेकिन एक मिर्च ऐसी भी है, जिसे खाना तो दूर जीभ से छूना भी आग खाने जैसा होगा। दिलचस्प बात यह है कि दुनिया की सबसे तीखी मिर्च मानी जाने वाली इस मिर्च का अगर एक नग 1 हजार लोगों के खाने में भी डाल दिया जाए तो भी उसका स्वद सामान्य से कहीं अधिक तीखा ही रहेगा। हालांकि इससे भी बड़ी एक दिलचस्प बात यह भी है कि कुछ दिन पहले कनाडा का एक शख्स ऐसी-ऐसी 135 मिर्च खा गया था और बाद में अपनी अंतरात्मा के जल रहे होने की बात उसने कही थी।

10 साल तक दुनिया की सबसे खतरनाक मिर्च 'कैरोलिना रीपर' में 1.64 मिलियन स्कोविल हीट यूनिट होती है, जबकि पेपर एक्स में यह लेवल 27 लाख से भी अधिक हैअब बता देना जरूरी है कि लगभग दो महीने पहले तक जिस मिर्च को दुनिया की सबसे खतरनाक मिर्च माना जाता था, उसका नाम 'कैरोलिना रीपर' है। इसमें 1.64 मिलियन स्कोविल हीट यूनिट होती है। कैरोलिना रीपर के नाम 10 साल तक यह रिकॉर्ड रहा, लेकिन अब यह रिकॉर्ड बदल गया है। पेपर एक्स नाम की इस मिर्च ने कैरोलिना रीपर से दुनिया की सबसे तीखी मिर्च का खिताब छीन लिया है। यह नई जानकारी हाल ही में सोशल मीडिया के जरिये सामने आई है।

दरअसल, 17 अक्टूबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आफिशियल हैंडलर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड पर एक पोस्ट की गई है। इस पोस्ट में बताया गया है कि दुनिया की सबसे तीखी मिर्च का खिताब पेपर एक्स को दिया गया है। अब आप सोच रहे होंगे कि मिर्च का तीखापन मापा कैसे जाता है तो हम आपको बता दें कि हम जो हरी मिर्च खाते हैं, उसकी स्कोविल हीट यूनिट (SHU) पांच हजार से एक लाख तक होती है।

बागेश्वर : फूलों की खेती ने बदली युवाओं की तकदीर

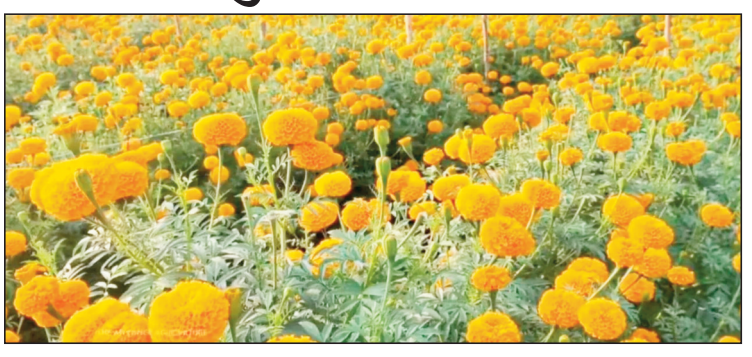

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 04 नवंबर : उत्तराखंड में संसाधनों की कमी नहीं है। अगर हम इन संसाधनों का इस्तेमाल अपनी तरक्की के लिए करें तो पलायन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बागेश्वर के प्रगतिशील काश्तकार यही कर रहे हैं। ये जिला फूलों का उत्पादन कर आत्मनिर्भर बन रहा है। उद्यान विभाग की हॉर्टिकल्चर टेक्नोलॉजी मिशन योजना जिले के युवाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। यहां लगभग तीन हेक्टेयर भूमि में गेंदा फूल की खेती हो रही है।

जिससे हर काश्तकार वर्ष में लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये तक कमा रहा है। दिवाली और अन्य धार्मिक आयोजनों में जब गेंदे के फूलों की डिमांड बढ़ती है तो काश्तकारों की अच्छी कमाई होती है। मनकोट के राजेश चौबे दिवाली पर एक लाख से अधिक के फूल बेचते हैं। उनके चचेरे भाईयों ने भी अब फूलों की खेती शुरू कर दी है। अगर आप भी फूलों की खेती करना चाहते हैं तो योजना से जुड़ी हर डिटेल ध्यान से पढ़ें।

उद्यान विभाग योजना के तहत काश्तकारों को निशुल्क बीज देता है। फूलों की खेती दो नाली जमीन से शुरू की जा सकती है। बागेश्वर, गरुड़, काफलीगैर क्षेत्र की जलवायु में गेंदा फूल खूब महक रहे हैं।

फूलों की बिक्री के लिए इंटरनेट मीडिया माध्यम से मंडी में काश्तकारों की बात कराई जाती है। इतना ही नहीं अन्य सब्जियों के साथ मेड़ पर भी गेंदा का उत्पादन किया जा सकता है और यह कीटनाशक भी है। गेंदे की खेती से सब्जियों को कीटों से बचाया जा सकता है। जिला उद्यान अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि बागेश्वर में हाइब्रिड गेंदा फूल का उत्पादन बढ़ रहा है। इससे किसानों की आय भी बढ़ी है। दूसरे लोगों को भी फूलों की खेती के लिए आगे आना चाहिए, इसमें उद्यान विभाग की ओर से हरसंभव मदद दी जा रही है।

देहरादून में आज लगेगा पंडित धीरेन्द्र शास्त्री का दरबार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 नवंबर : बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का आज देहरादून में दरबार लगेगा । बागेश्वर धाम में आस्था रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए ये मौका बेहद खास है।

दून में होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में पंडित धीरेंद्र शास्त्री भक्तों की समस्याएं सुनेंगे और समाधान भी सुझाएंगे। दरबार में लोगों के बड़ी संख्या में पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। दरबार का आयोजन देहरादून में 4 नवंबर को किया जा रहा है ।

जिसमें करीब चालीस हजार लोगों के आने की संभावना है। दरबार को लेकर आयोजन स्थल में बड़ी स्क्रीनें भी लगाई जा रही हैं, ताकि हर व्यक्ति बाबा का दरबार देख और सुन सके। खास बात ये है कि दरबार में आने के लिए किसी तरह की एंट्री फीस नहीं है, न ही रजिस्ट्रेशन की जरूरत है। श्रद्धालुओं को फ्री एंट्री मिलेगी।

आयोजन निवृत्ति यादव ने बताया कि दरबार सबके लिए खुला है। इसके लिए किसी रजिस्ट्रेशन या पास की जरूरत नहीं है। चार नवंबर को दोपहर 12 बजे आचार्य धीरेंद्र शास्त्री देहरादून पहुंच जाएंगे। इसके बाद शाम पांच बजे से यह कार्यक्रम शुरू होगा, जो रात नौ दस बजे तक चलेगा। आचार्य धीरेंद्र शास्त्री के दरबार को लेकर पुलिस-प्रशासन सहित आयोजकों ने पूरी तैयारी कर ली है। श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। आचार्य धीरेंद्र शास्त्री के दरबार को लेकर श्रद्धालुओं में खूब उत्साह है। देहरादून में होने जा रहे भव्य आयोजन में 30 से 40 हजार लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

पिथौरागढ़ : ऑनलाइन मंगाया 23 हजार का सामान, हाथ में आया खाली डिब्बा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 04 नवंबर : उत्तराखंड में साइबर क्राइम के साममले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस बीच एक खबर पिथौरागढ़ से आई है। यहां ऑनलाइन एप से 23 हजार रूपये के सामान की जगह ग्राहक को खाली डिब्बा मिला। शिकायत पर पिथौरागढ़ पुलिस की साइबर सेल टीम ने पीड़ित की सम्पूर्ण धनराशि वापस करा दी।

वड्डा पिथौरागढ़ निवासी दीपक सिंह ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज की थी कि उन्होंने अमेजन से 23 हजार रुपये के पंखे मंगाए थे। सामान का भुगतान कर दिया, परन्तु सामान की जगह खाली डिब्बा मिला और अब पैसे भी वापस नहीं आ रहे हैं। पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह के निर्देशन में साइबर सेल ने आवश्यक कार्यवाही कर युवक के पूरे पैसे उसके खाते में वापस दिलाए। दीपक सिंह ने पिथौरागढ़ पुलिस की सराहना करते हुए ई-मेल के माध्यम से धन्यवाद प्रकट किया है।

ये है छोटू प्रिंटर, फोन से जुड़कर देगा प्रिंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , अब आपको बार-बार साइबर कैफे या किसी प्रिंटआइट निकालने वाली दुकान पर नहीं जाना पड़ेगा. यहां हम आपको बताएंगे कि आप घर बैठे या सफर के दौरान कौन-कौन से प्रिंटर का इस्तेमाल कर सकते हैं. ये प्रिंटर सफर के दौरान भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं और इन दिनों ऑनलइन सेल में भी काफी कम कीमत में मिल रहे हैं.आप भी बार-बार प्रिंटआउट निकालने के लिए दुकानों के चक्कर काटते हैं और इससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो ये जानकारी आपके लिए है. यहां हम आपको बताएंगे कि आप घर बैठे या सफर के दौरान भी प्रिंटआउट निकाल सकते हैं. इसके लिए आपको दुकानों के चक्कर भी नहीं काटने पड़ेंगे और आपको ज्यादा खर्चा भी नहीं करना पड़ेगा.

वैसे भी अगर आप किसी साइबर कैफे से प्रिंटआउट निकलवाते हैं तो आपको एक पेज का 10 से 20 रुपये देना पड़ता है ऐसे में अगर ज्यादा पेज प्रिंट कराने हो तो आपका खर्च काफी आ जाता है. इस खर्च से बचने के लिए आपको अपने लिए एक ऐसा प्रिंटर लेना चाहिए जिससे आप घर बैठे खुद जितने चाहें प्रिंटआउट निकाल सकें. अगर आप सोच रहे हैं कि इससे छोटे-छोटे प्रिंटआउट निकलेंगे तो बता दें कि आप पोर्टेबल प्रिंटर के जरिए A4 साइज प्रिंटआउट निकलवा सकते हैं.ये एक वायरलेस पोर्टेबल प्रिंटर ब्लूटूथ से चलता है Android और iOS दोनों डिवाइस में चल सकता है. वैसे तो इसकी ओरिजनल कीमत 23,680 रुपये है लेकिन आप इसे 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 18,900 रुपये में खरीद सकते हैं.

ये ब्लूटूथ इंकलेस थर्मल प्रिंटर आपको 37 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ के 11,425 रुपये में खरीद सकते हैं. इस प्रिंटर में आपको इंक भी जरूरत नहीं पड़ेगी. इसमें आपको 1200mAh की लीथियम बैटरी मिलती है इस प्रिंटर को फुल चार्ज होने में 1.3 घंटे लगते हैं. इसे आप आउडोर और इनडोर दोनों जगहों पर इस्तेमाल कर सकते हैं.इस प्रिंटर की ओरिजनल कीमत 41,950 रुपये है लेकिन आप इसे अमेजन से 50 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ केवल 20,975 रुपये में खरीद सकते हैं.25 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ ये प्रिंटर आपको 20,453 रुपये में मिल रहा है. इसमें आपको 2 कलर ऑप्शन मिल रहे हैं दोनों मॉडल्स की कीमत अलग- अलग है. भले ही ये प्रिंटर थोड़े महंगे हैं लेकिन अगर आप एक बार खर्चा कर लेते हैं तो आपको लंबे समय के लिए फायदा हो सकता है. बार-बार दुकानों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और प्रिंटआउट के पैसों की भी बचत कर सकेंगे.

देहरादून से दूसरे राज्यों को जाने वाले ध्यान दें, फ्लाइट्स का बदला समय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 नवंबर : देहरादून एयरपोर्ट से दूसरे शहरों के लिए उड़ान भरने वाले यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। विंटर सीजन को देखते हुए सभी उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव किया गया है। नया शेड्यूल 30 मार्च 2024 तक के लिए लागू रहेगा। अब बदले हुए समयानुसार ही फ्लाइटों की आवाजाही होगी। जिन फ्लाइट्स का शेड्यूल बदला गया है, उनमें दिल्ली-मुंबई समेत कुल 25 फ्लाइट शामिल हैं। 19 उड़ानों के साथ इंडिगो सबसे आगे है। विंटर सीजन में कुछ उड़ानें नई जुड़ी हैं तो कुछ में कटौती की गई है। डिटेल के लिए हमारे साथ बनें रहें। सबसे पहले इंडिगो की अहमदाबाद वाली फ्लाइट की बात करते हैं, यह सुबह आठ बजे एयरपोर्ट पर लैंड होगी और साढ़े आठ बजे वापस अहमदाबाद जाएगी। इंडिगो की दिल्ली वाली फ्लाइट सातों दिन सुबह 9:20 बजे एयरपोर्ट आएगी और 9:50 बजे वापस दिल्ली को टेकऑफ करेगी। विस्तारा सातों दिन मुंबई से ढाई बजे देहरादून आएगी। 3:10 बजे वापस मुंबई जाएगी।

इंडिगो की हैदराबाद वाली फ्लाइट सप्ताह में छह दिन 11:35 बजे जौलीग्रांट आएगी और 12:05 बजे वापस हैदराबाद जाएगी। इंडिगो जयपुर सप्ताह में सातों दिन सुबह 10:25 बजे एयरपोर्ट आएगी। पौने ग्यारह बजे वापस जाएगी। इंडिगो मुंबई सप्ताह में सातों दिन 11:20 बजे एयरपोर्ट पहुंचेगी। 11:55 बजे वापस मुंबई जाएगी। एयर इंडिया मुंबई सातों दिन 12:50 बजे आएगी। 1:30 बजे वापस रवाना होगी। इंडिगो प्रयागराज सातों दिन 1:55 बजे आएगी और दोपहर 2:25 वापस जाएगी। इसी तरह विस्तारा

की दूसरी दिल्ली वाली फ्लाइट सातों दिन पौने तीन बजे आएगी, और 3:20 बजे वापस जाएगी। इंडिगो दिल्ली सातों दिन 3:20 जौलीग्रांट और 3:50 वापस दिल्ली जाएगी। इंडिगो लखनऊ सातों दिन 3:55 देहरादून और साढ़े चार बजे वापसी करेगी।

इंडिगो दिल्ली वाली फ्लाइट सातों दिन 7:10 बजे जौलीग्रांट और 7:40 बजे वापस दिल्ली जाएगी। इंडिगो बंगलुरू सातों दिन शाम 5:10 जौलीग्रांट और पौने छह वापस रवाना होगी। इंडिगो मुंबई सातों दिन साढ़े पांच बजे देहरादून और छह बजे वापसी करेगी। इंडिगो जयपुर सातों दिन साढ़े सात बजे जौलीग्रांट और 7:50 बजे जयपुर रवाना होगी। इंडिगो की गोवा वाली फ्लाइट मंगल, बृहस्पतिवार और शनिवार को 6:25 बजे जौलीग्रांट और शाम सात बजे वापस रवाना होगी।

इंडिगो की अहमदाबाद वाली फ्लाइट सप्ताह में सिर्फ तीन दिन पौने दस बजे एयरपोर्ट आएगी। सवा दस पर वापस मुंबई को उड़ान भरेगी। इंडिगो की दूसरी हैदराबाद वाली फ्लाइट सप्ताह में सातों दिन 11:35 बजे आएगी। 12:05 बजे पुणे को रवाना होगी। 29 मार्च तक यही समय रहेगा। इंडिगो मुंबई सातों दिन 11:55 जौलीग्रांट आएगी और 12:40 वापस जाएगी। इंडिगो की दूसरी अहमदाबाद वाली फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन 12:25 बजे आएगी। 1:45 वापस रवाना होगी। 27 मार्च तक इसका यही समय रहेगा। फ्लाई बिग का विमान सातों दिन पिथौरागढ़ से 3:40 बजे जौलीग्रांट और शाम 4:30 बजे वापस पिथौरागढ़ जाएगा। 29 मार्च तक इसका यही समय होगा। एलायंस एयर मंगलवार और शुक्रवार को छोड़कर बाकी दिन दिल्ली से 2:10 बजे देहरादून और 2:35 बजे लखनऊ को रवाना होगी। इंडिगो पुणे शनिवार को छोड़कर बाकी दिन 5:20 पर देहरादून और 5:55 बजे हैदराबाद को रवाना होगी। एलायंस एयर मंगल और शुक्रवार को छोड़कर बाकी दिन लखनऊ से 5:55 बजे जौलीग्रांट और वापस 6:25 बजे जौलीग्रांट से दिल्ली रवाना होगी। 29 मार्च तक इसका यही समय रहेगा। इस तरह नया शेड्यूल जारी कर दिया गया है, जो कि 30 मार्च तक लागू रहेगा।

मूल निवास प्रमाण पत्र की व्यवस्था लागू करे सरकार

देहरादून ।पूर्व विधायक संगठन ने उत्तराखंड में सख्ती के साथ मूल निवास प्रमाण पत्र की व्यवस्था को लागू करने की मांग की। कहा कि स्थायी निवास की बाध्यता को समाप्त किया जाए। हिमाचल की तर्ज पर सख्त मजबूत भू कानून को लागू किया जाए। साथ ही पूरे प्रदेश में चकबंदी को भी लागू किया जाए। उत्तरांचल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुए संगठन अध्यक्ष लाखीराम जोशी ने कहा कि राज्य में सरकारी योजनाओं, नौकरियों समेत अन्य कार्यों में मूल निवास प्रमाण पत्र नहीं मांगा जा रहा है। जिन लोगों के मूल निवास प्रमाण पत्र बने हैं, उनसे भी स्थाई निवास प्रमाण पत्र मांगा जा रहा है। इस पर तत्काल रोक लगाई जाए। सख्ती के साथ मूल निवास प्रमाण पत्र की व्यवस्था लागू हो।

पूर्व कैबिनेट मंत्री शूरवीर सिंह सजवाण ने कहा कि आज राज्य में बाहरी लोगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्थानीय हक हकूकों पर बाहरी लोगों का कब्जा होता जा रहा है। ठेकेदार तक बाहर से आ रहे हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा की जाए। इसके लिए हिमाचल की तर्ज पर मजबूत भूकानून तैयार किया जाए। पहाड़ों को पलायन से राहत देने को चकबंदी पर गंभीरता से काम किया जाए। राज्य आंदोलनकारियों को सरकारी सेवाओं में नौकरी देने को आरक्षण लागू किया जाए। इसके लिए जल्द से जल्द प्रवर समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के साथ ही लागू किया जाए। सरकारी विभागों में आउटसोर्स की व्यवस्था पर रोक लगाई जाए। सीधी भर्ती कर बिचौलियों पर रोक लगाई जाए। इस अवसर पर पूर्व विधायक केदार सिंह रावत, भीमलाल आर्य मौजूद रहे।

क्या आप जानते हैं दिल भी बड़बड़ाता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , दिल हर धड़कन के साथ ब्लड वेसेल्स में खून को पंप करता है। इस पंपिंग के कारण ब्लड के फ्लो से हूशिंग या स्विशिंग जैसी आवाज आती है, जिसे दिल में बड़बड़ाहट या हार्ट मर्मर के रूप में जाना जाता है। इन आवाजों को डॉक्टर अपने स्टेथोस्कोप से सुन सकता है। दिल की एक-एक धड़कन में वाल्वों के बंद होने या खुलने से लब-डप्प (Lub-Dapp) आवाज होती है।

दिल की बड़बड़ाहट दिल के चैम्बर्स और वाल्वों के जरिए या दिल के पास ब्लड वेसेल्स के माध्यम से होने वाले ब्लड के द्वारा बनाई गई साउड्स हैं। दिल में बड़बड़ाहट बच्चों में आम है और हानिकारक नहीं है। इन दिल में बड़बड़ाहटों को "सामान्य" या "शारीरिक" बड़बड़ाहट भी कहा जाता है। दिल में बड़बड़ाहट इतनी आम है कि ज्यादातर बच्चों में कभी न कभी ऐसा होने की संभावना होती है। ये कभी भी गायब हो सकती है और फिर से उत्पन्न हो सकती हैं। जब किसी बच्चे की हार्ट रेट बदलती है, जैसे एक्साइटेड या डर के दौरान, तो ये बड़बड़ाहट तेज या नरम हो सकती है। यह वैसे संकेत नहीं देता है कि बड़बड़ाहट चिंता का कारण है।

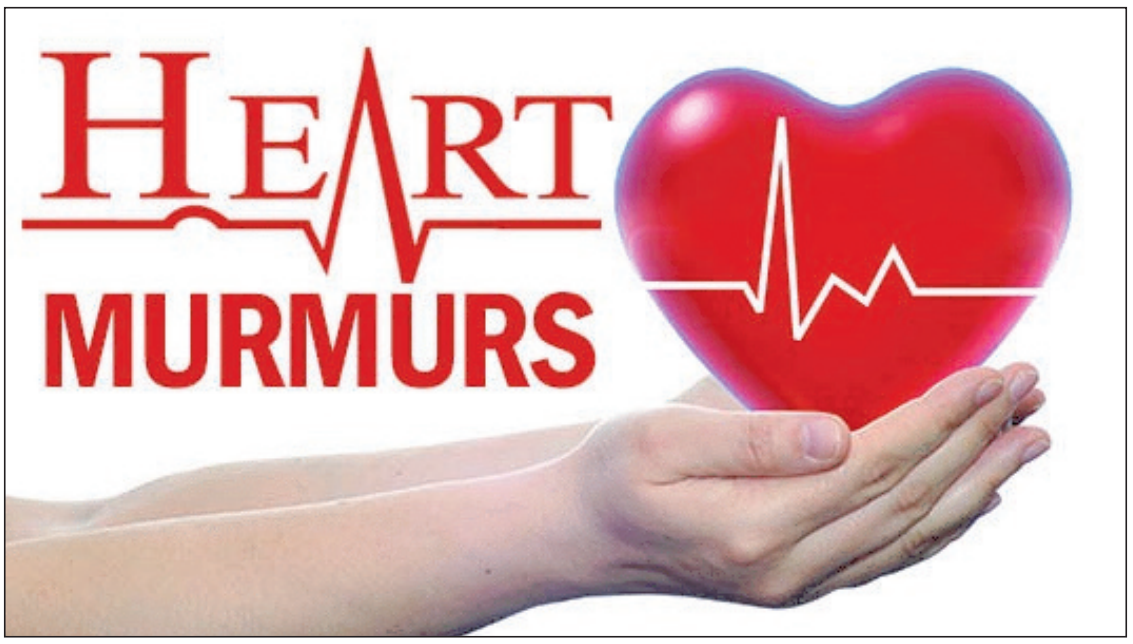

अगर आपका डॉक्टर आपके बच्चे के दिल की बात सुनते समय बड़बड़ाहट सुनता है, तो वे इसके लिए टेस्ट जैसे- इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ECG) या इकोकार्डियोग्राम (Echo) की रेकमेंडेड कर सकते हैं। यह साफ करने के लिए है कि बड़बड़ाना नहीं है। जब तक टेस्ट से अन्य बातों का पता न चले, किसी अलग स्टेप्स की जरूरत नहीं है। दिल की बड़बड़ाहट के साथ, बच्चे को दवा की जरूरत नहीं होगी और उसे दिस से जुड़ी कोई समस्या या दिल की बीमारी नहीं होगी। आपको अपने बच्चे की गतिविधियों या डाइट पर रोक लगाने की जरूरत नहीं होगी। वे एक्टिव और हेल्दी लाइफ जी सकते हैं! जब बच्चे बड़े हो जाता हैं तो अधिकतर बड़बड़ाहट गायब हो जाती है, लेकिन कुछ बड़ों में बड़बड़ाहट लाइफटाइम बनी रहती है।

क्या हैं इसके कारण

असामान्य दिल में बड़बड़ाहट अक्सर हार्ट वाल्व के कारण होती है। उदाहरण के तौर पर, एक Stenosis हार्ट वाल्व का Regurgitation (पुनर्जनन) सामान्य से छोटा होता है और यह पूरी तरह से नहीं खुल सकता है। इससे रिप्रोडक्शन होता है, जो वाल्व के बंद होने पर खून के माध्यम से पीछे की ओर रिसने लगता है। कुछ जन्मजात दोष (Congenital Defects) और अन्य कारण जैसे गर्भावस्था, बुखार, एनीमिया या थायरोटोक्सिकोसिस (Thyrotoxicosis) भी बड़बड़ाहट का कारण बन सकती हैं।

एक बड़बड़ाहट जो तब होती है जब दिल की मांसपेशियां धड़कनों के बीच ढीली हो जाती हैं, डायस्टोलिक (Diastole) बड़बड़ाहट कहलाती है। सिस्टोलिक बड़बड़ाहट तब होती है जब दिल की मांसपेशी सिकुड़ती है।सिस्टोलिक बड़बड़ाहट को जोर के आधार पर 1 से 6 तक क्लासिफाइड किया जाता है। ग्रेड 1 हल्का होता है, जिसे काफी प्रयास के बाद ही सुना जा सकता है। यह नॉर्मल हार्ट साउंड से अधिक नरम है। ग्रेड 6 हद से ज्यादा तेज है और इसे स्टेथोस्कोप और छाती के बीच बिना किसी संपर्क के सुना जा सकता है।

गूगल ने स्टूडेंट के लिए लॉन्च किए ये खास स्टडी फीचर्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गूगल ने स्टूडेंट की सहूलियत के लिए गणित, भौतिक और ज्यामिति के सवालों को हल करने के लिए कुछ नए फीचर्स लॉन्च किए है. इन फीचर्स की मदद से अब स्टूडेंट को चुटकियों में जवाब मिल जाएगा. गूगल की इस नई सुविधा छात्रों को गणित, भौतिकी और ज्यामिति के लिए अधिक सहायता प्रदान करती है. अब आप खोज बार में अपना समीकरण दर्ज करके या लेंस के साथ एक तस्वीर लेकर गणित और विज्ञान की समस्याओं का स्टेप बाय स्टेप समाधान प्राप्त कर सकते हैं. आपको बता दें ₹गणित सॉल्वर₹ डेस्कटॉप पर उपलब्ध है और जल्द ही मोबाइल पर भी उपलब्ध होगा. Google के भाषा मॉडल शब्द समस्याओं में सहायता प्रदान करते हैं, और छात्र 1,000 से अधिक विषयों के लिए 3D मॉडल और इंटरैक्टिव आरेखों के साथ STEM अवधारणाओं का दृश्य रूप से पता लगा सकते हैं.

गणित सॉल्वर

गणित और विज्ञान की समस्याओं के लिए सहायता खोज रहे हैं? अब आप त्रिकोणमिति और कैलकुलस जैसे विषयों पर अधिक सहायता पा सकते हैं. इसके लिए बस सर्च बार में अपना समीकरण दर्ज करें या चित्र लेने के लिए लेंस का उपयोग करें, और आपको स्टेप बाय स्टेल सॉल्यूशन प्राप्त होगा. आप डेस्कटॉप पर ₹गणित सॉल्वर₹ का उपयोग करने का भी प्रयास कर सकते हैं, और यह जल्द ही मोबाइल पर उपलब्ध होगा.

Google लेंस से ज्योमैक्ट्री हल करें

ज्योमैक्ट्री की समस्याओं को अकेले शब्दों का उपयोग करके समझाना अक्सर मुश्किल हो सकता है. हालाँकि, लेंस ज्योमैक्ट्री की चुनौतियों के लिए स्टेप बाय स्टेप स्पष्टीकरण प्रदान करके, दृश्य समस्याओं में मदद कर सकता है, जैसे कि त्रिकोण का क्षेत्र ढूंढना.

भौतिक विज्ञान की समस्याओं को हल करने के लिए AI

Google अब एडवांस मॉडल के माध्यम से हाई-स्कूल भौतिकी समस्याओं में सहायता प्रदान करता है. यह सुविधा ज्ञात और अज्ञात मूल्यों की पहचान करने और समस्याओं को हल करने के लिए सही सूत्रों का चयन करने में सहायता करती है. साथ ही Google अब यूजर्स को सर्च बार पर 1,000 से अधिक STEM अवधारणाओं को देखने की अनुमति देता है. जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, खगोल विज्ञान और संबंधित विषयों के लिए इंटरएक्टिव आरेख और 3डी मॉडल उपलब्ध हैं.

जीवन शैली में बदलाव से कम होगा कैंसर का खतराः राज्यपाल

देहरादून।राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि कैंसर एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या के रूप में लोगों को चपेट में ले रही है। कैंसर जैसी घातक बीमारी एवं इससे होने वाले नुकसान के बारे में दुरस्थ क्षेत्रों तक लोगों में जागरूकता के प्रयास किए जाए। शुक्रवार को राजभवन में कैंसर जागरूकता पर आयोजित सेमिनार में राज्यपाल ने कहा कि कैंसर से बचने के उपायों में हमें अपने जीवन शैली को सही रखना और संतुलित आहार करना जरूरी है। प्रत्येक व्यक्ति को इसकी घातक प्रवृत्ति, लक्षण, कारण और निदान के बारे में जागरूक बनाना होगा। विशिष्ट अतिथि सचिव-राज्यपाल रविनाथ रमन ने कहा कि जीवन शैल को संतुलित और प्रकृति के अनुसार बनाकर कैंसर समेत सभी बीमारियों के खतरों को कम किया जा सकता है। वर्तमान में असंतुलित जीवन शैली की वजह से भी नई नई बीमारियां सामने आ रही हैं। सुभारती कैंसर प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने स्तन कैंसर के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। कहा कि हर प्रकार के कैंसर का इलाज संभव है। समय पर पता चल जाए तो प्रभावी उपचार किया जा सकता है। एम्स ऋषिकेश के डॉ. अमित शेरावत द्वारा फेफड़ों में होने वाले कैंसर की जानकारी दी।

YouTube वीडियो पर आया कॉपीराइट स्ट्राइक ? इस तरीके से हटाए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , अगर आप भी यूट्यूब पर वीडियो डालते हैं और दूसरों के गाने इस्तेमाल करते हैं तो ये जानकारी आपके लिए बेहद जरूरी है. यहां हम आपको बताएंगे कि आप अपनी वीडियो पर कॉपीराइट स्ट्राइक को कैसे हटा सकते हैं और इससे कैसे बच सकते हैं. इसके लिए आपको इन कुछ बातों का ध्यान रखना होगा.आजकल सोशल मीडिया पर वायरल होने और उससे पैसे कमाने का चस्का आपको लगभग लोगों में दिख जाएगें. लोगों को वीडियो वायरल करने के चक्कर में कई बार किसी दूसरे का कंटेंट या म्यूजिक उठाकर अपनी वीडियो में डाल लेते है. इसके बाद ऐसे लोगों की वीडियो पर यूट्यूब कॉपी राइट स्ट्राइक लगा देता है जिसके बाद अगर वो वीडियो वायरल भी होती है तो आपको इसका फायदा नहीं मिलता है. आपके साथ ऐसा नहीं हो इसके लिए आज हम आपको कॉपीराइट स्ट्राइक हटाने और इससे बचने के तरीके बताएंगे.

क्यों लगता है कॉपी राइट

सबसे पहले आपको बताते हैं कि आपकी वीडियो पर कॉपीराइट क्यो आता है? बता दें कि वीडियो पर कॉपी राइट तब आता है जब

आप किसी दूसरे यूजर की वीडियो को अपना बनाकर पोस्ट करते हैं.अगर आप किसी और का सॉन्ग उसे बिना बताए अपनी वीडियो पर लगाकर पोस्ट करते हैं तो वीडियो पर कॉपी राइट की स्ट्राइक आती है.अगर आप किसी बुक, स्टोरी, नोवेल जिस किसी दूसरे शख्स का ट्रेडमार्क है उसे आप अपने विडियो में इस्तेमाल नहीं कर सकते है. इससे आपके चैनल पर कॉपीराइट आ सकता है .अगर आप अपनी वीडियो में किसी पेड सॉफ्टवेयर को फ्री में डाउनलोड करने का तरीका सीखा रहे हैं तो ऐसे मामले में भी आपके चैनल पर कॉपीराइट लग सकता है.इसके अलावा अगर आप यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम कर रहे हैं और उस दौरान कोई ऐसा कंटेंट है जो कॉपीराइट के अंदर आता है तो ऐसे में आपके चैनल पर कॉपीराइट क्लेम आ सकता है और आपका लाइव स्ट्रीम भी 7 से 8 दिनों के लिए रोका जा सकता है.

ऐसे हटाएं कॉपीराइट स्ट्राइक

कॉपीराइट स्ट्राइक को हटाने का केवल एक ही तरीका है कि आप उस वीडियो को डिलीट कर दें या तो यूट्यूब को अपनी सफाई मेल करें जिसमें आप अपने कंटेंट को साफ कर सकें कि वो बिलकुल कॉपीराइट फ्री कंटेंट है. अगर आप यूट्यूब की स्ट्राइक को नजरअंदाज करते हैं तो यूट्यूब उस वीडियो को या फिर आपके अकाउंट को बंद कर सकता है.

कितने दिन का समय होता है?

इसके लिए अगर आपका चैनल YouTube Partner Program में शामिल है, तो आपको इसके लिए 7 दिन का समय दिया जाता है. ध्यान दें कि चैनल के खिलाफ कॉपीराइट उल्लंघन की तीन स्ट्राइक मिल जाती हैं तो आपको सात दिन के अंदर वीडियो को हटाना होता है या उस पार्ट को रिमूव करना होता है. अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपका चैनल बंद कर दिया जाता है.

ठंडी चाय को फिर से गर्म कर पीना कितना सही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 नवंबर : भारतीय पानी के बाद जिस तरह पदार्थ का सबसे ज्यादा सेवन करते हैं वह है चाय. बड़े-बड़े शहरों से लेकर दूर ऊंची-ऊंची पहाड़ियों तक, हर जगह आपको चाय जरूर मिल जाएगी. सर्दियों के मौसम में चाय का सेवन बढ़ जाता है. कुछ लोग चाय के इतने शौकीन हैं कि वह न दिन देखते हैं न रात, जब उनका दिल करता है वह चाय बिना हिचकिचाहट के पी लेते हैं. अक्सर आपने घरों में ये देखा होगा कि ठंडी चाय को लोग दोबारा गर्म करके पी लेते हैं. लेकिन, ऐसा करना हमारी सेहत के लिए फायदेमंद नहीं है. अगर आप भी ऐसी गलती कर रहे हैं तो इससे आपकी सेहत पर गंभीर असर हो सकता है.

बारिश हो, सर्दी हो, थकान-सिरदर्द या फिर आलस, इन सब का विकल्प चाय है. सर्दियों के मौसम में अमूमन हर परिवार में दो से तीन बार चाय जरूर बनती है. इस दौरान एक बात जो हर घर में देखी जाती है वह यह है कि लोग ठंडी चाय को गर्म करके दोबारा पीते हैं. ऐसा करना हमारे स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होता है. आइए जानते हैं ठंडी चाय को दोबारा गर्म करके पीने से हमारे शरीर को क्या नुकसान होता है.

जब आप चाय को दोबारा गर्म करके पीते हैं तो चाय के सभी गुण और अच्छे यौगिक बाहर निकल जाते हैं. ठंडी चाय को दोबारा गर्म करके पीने पर आपको दस्त, उल्टी ,ऐंठन और पाचन से जुड़ी समस्या हो सकती है.रखी हुई चाय में आ जाते हैं बैक्टीरियाअगर आप एक बार बनाई हुई

चाय को काफी देर तक यूं ही रख देते हैं तो इसमें बैक्टीरिया जाते हैं. ऐसे में दोबारा इस चाय को गर्म करके पीना हमारे शरीर के लिए हानिकारक होता है.टैनिन का बाहर निकलनाअगर आप चाय को दोबारा गर्म करके पीते हैं तो इससे टैनिन बाहर निकल जाता है जिसकी वजह से चाय का स्वाद कड़वा हो जाता है. ऐसे में ये आपके मुंह का स्वाद तो खराब करेगी ही साथ ही आपके सेहत को भी नुकसान पहुंचाएगी.

ध्यान रखें ये बात-अगर आपको चाय बनाए हुए केवल 15 मिनट हुए हैं तो तब आप चाय को गर्म करके दोबारा पी सकते हैं. ऐसा तभी करें जब और कोई उपाय न हो -कभी भी खाली पेट चाय न पिए क्योंकि इससे एसिडिटी की समस्या हो सकती है. अगर आपको सुबह चाय पीने की आदत है तो इसके साथ कुछ हल्का-फुल्का जरूर खाएं -कोशिश करें जितनी आवश्यकता है उतनी ही चाय बनाएं

परेड ग्राउंड एमडीडीए के हवाले, पढ़िए स्मार्ट फैसले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

4 नवंबर , देहरादून स्मार्ट सिटी की 27वीं बोर्ड बैठक गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डे की अध्यक्षता में आयोजित की गयी जहाँ कई जनहित के फैसले लिए गए हैं। आपको बता दें कि देहरादून स्मार्ट सिटी के प्रबंध मंडल की 27वीं बैठक का आयोजन देहरादून स्मार्ट सिटी के कार्यालय में कमिश्नर गढ़वाल की अध्यक्षता में किया गया। इस बेहद अहम बैठक में देहरादून स्मार्ट सिटी के अंतर्गत किए गए विकास कार्यों की जानकारी देहरादून स्मार्ट सिटी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोनिका ने प्रबंध मंडल के सामने शानदार प्रेजेंटेशन के ज़रिये दिया ।

बैठक में आज कई प्रमुख फैसले लिए गए

1. देहरादून से एयरपोर्ट रूट पर चलने वाली बस के किराए को सामान्य किराए में परिवर्तित किए जाने के लिए बोर्ड द्वारा निर्णय लिया गया।2. इसके अतिरिक्त बोर्ड द्वारा देहरादून स्मार्ट सिटी द्वारा विकसित किए गए परेड ग्राउंड को एम.डी.डी.ए.को हस्तांतरित करने के लिए भी निर्देश दिए गए ।3.इसके अतिरिक्त कमिश्नर गढ़वाल द्वारा यह भी निर्देश दिए गए की आगामी इन्वेस्टर्स मीट को देखते हुए नगर निगम, एमडीडीए एवं स्मार्ट सिटी अपने समस्त कार्य समन्वय स्थापित करते हुए 30 नवंबर से पहले पूर्ण कर ले।4. देहरादून स्मार्ट सिटी द्वारा स्थापित वैरेबल मैसेज डिस्प्ले का विज्ञापन हेतु नगर निगम को अनुमति प्रदान करने हेतु प्रस्ताव बनाने हेतु निर्णय लिया गया एवं प्राप्त राजस्व को किस प्रकार विभाजित किया जाएगा इस हेतु भी प्रस्ताव बनाने हेतु भी निर्देशित किया गया।बोर्ड बैठक में विनय शंकर पांडे, कमिश्नर गढ़वाल, राम सिंह, उप सचिव, भारत सरकार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्मार्ट सिटी सोनिक, एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी, नगर निगम आयुक्त मनुज गोयल, अशोक कुमार पाण्डेय, अपर निदेशक, शहरी विकास निदेशालय, नीलिमा गर्ग, मुख्य महाप्रबंधक, जल संस्थान तथा स्मार्ट सिटी के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीरोंखाल कृषि महोत्सव शुरू

पौड़ी। विकासखंड बीरोंखाल स्तरीय कृषक महोत्सव रबी का शुक्रवार को ब्लाक प्रमुख राजेश कंडारी ने न्याय पंचायत स्यूंसी में विधिवत उद्घाटन कर कृषि महोत्सव का शुभारम्भ किया। कृषक महोत्सव में दूरदराज क्षेत्रों के एक सौ दो किसानों ने भाग लिया। ब्लाक प्रमुख राजेश कंडारी ने कहा कि सरकार कृषकों के लिए कई लाभकारी योजनाएं चला रही हैं। बीरोंखाल कृषि प्रभारी विनोद खुराना ने कहा कि जिन लोगों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि नही मिल रही हैं वहां अपने न्याय पंचायत कृषि अधिकारी से संपर्क करे।

उन्होंने यहां भी बताया कि किसान विभागीय योजनाओं लाभ लें। पशु चिकित्सा धिकारी बीरोंखाल लीलेन्द्र जोशी ने सभी पशुपालकों को बताया कि पशुओं पर लगने होने वाली लंपी बीमारी की रोकथाम के लिए अवश्या टीका करण निःशुल्क कराएं साथ ही पशुओं का बीमा भी अवश्य कराएं। कृषक महोत्सव में 6 कुतंल गेहू बिक्री, अस्सी किलो मसूर निःशुल्क, कृषि रसायन, उद्यान विभाग ने मटर, मूली, धनिया आदि बीज दिए। इस अवसर पर बीडीओ जयपाल सिंह पयाल, बीईओ पीआरडी महेश राठोर, सहायक कृषि अधिकारी उपेन्द्र कुमार, जय सिंह, चमन सिंह नेगी आदि थे।

संपादकीय

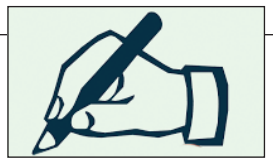

जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को समन किया था, ताकि शराब घोटाले के संदर्भ में पूछताछ की जा सके, लेकिन केजरीवाल ने समन को ही गलत तथा राजनीति से प्रेरित करार देते हुए पेश होने से इंकार कर दिया। उन्होंने कुछ सवाल भी पूछे कि जांच एजेंसी ने उन्हें मुख्यमंत्री अथवा आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर बुलाया है। ईडी ने उन्हें 'गवाह' या 'संदिग्ध' के तौर पर समन भेजा था। भाजपा नेताओं के इन बयानों के मायने क्या हैं कि केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया जा सकता है, लिहाजा यह समन भाजपा के निर्देशानुसार भेजा गया है ! केजरीवाल ने ईडी को लिखे पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के नाते उन पर काफी सरकारी दायित्व हैं और पार्टी का राष्ट्रीय नेता होने के नाते राज्यों के पार्टीजनों की अपेक्षा है कि वह चुनाव प्रचार करें। लिहाजा वह ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। चूंकि यह समन ही अवैध और अस्पष्ट है, लिहाजा उसे वापस ले लिया जाए। हमारी खबर है कि ईडी केजरीवाल को नया समन भेजेगा। यदि जरूरत पड़ी, तो अदालत का हस्तक्षेप भी मांगा जा सकता है। केजरीवाल ईडी के तीन समन ठुकरा सकते हैं। यदि फिर भी वह पेश नहीं होते हैं, तो ईडी को अगली कार्रवाई के लिए अदालत में ही जाना पड़ेगा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी 5 समन भेज चुका है, लेकिन वह एक बार भी पेश नहीं हुए हैं। आजकल नेताओं ने ईडी के समन को गंभीरता से लेना छोड़ दिया है, क्योंकि सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि समन न मानने की स्थिति में ईडी किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकता है। उसके लिए अदालत में आना अनिवार्य है। बहरहाल ईडी के संदर्भ में ही एक घटना राजस्थान में हुई है कि वहां के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने ईडी के एक अधिकारी को 15 लाख रुपए की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। वह अधिकारी इंफाल (मणिपुर) से राजस्थान आया था, ताकि भ्रष्टाचार के एक मामले को रफा-दफा किया जा सके। अब कांग्रेस नेता यह भी सवाल उठा रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में जो काले संदूक आ रहे हैं और करोड़ों की धरपकड़ की गई है, उसमें ईडी या सीबीआई की कितनी संलिप्तता है? जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार के कई मामले उजागर हुए हैं। इनसे सरकार और जांच एजेंसियों के प्रति अविश्वास बढ़ रहा है और वे सवालिया होने लगी हैं। आम आदमी की चिंता बढने लगी है कि जिन जांच एजेंसियों को, संविधान के तहत, भ्रष्टाचार की जांच का, जनादेश प्राप्त है, वे खुद ही दागी और कटघरे में मौजूद हैं। बीते दिनों सीबीआई ने 5 करोड़ रुपए के भुगतान मामले में ईडी के एक सहायक निदेशक के खिलाफ मामला दर्ज किया था। कुछ दिन पहले असम पुलिस ने एक सीबीआई अधिकारी को गिरफ्तार किया था, जो एक व्यापारी से पैसे वसूलने की साजिश में जुटा था। बीते साल मई में खुद सीबीआई ने अपने ही चार सब-इंस्पेक्टरों को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया था। ऐसे कथित भ्रष्ट मामलों की फेहरिस्त काफी लंबी है। प्रथमद्रष्ट्या माना जा सकता है कि हमारी प्रमुख जांच एजेंसियां भी दूध की धुली नहीं हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

छात्रा से दुष्कर्म में आरोपी को 20 साल की सजा

हल्द्वानी ।अपर सत्र न्यायाधीश/स्पेशल जज पॉक्सो नंदन सिंह राणा की अदालत ने नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी को दोषी पाते हुए 20 साल की सजा सुनाई है। मूलरूप से बागेश्वर के रहने वाले दोषी पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। शासकीय अधिवक्ता नवीन चंद्र जोशी ने बताया कि हल्द्वानी कोतवाली क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने 23 सितम्बर 2021 को नौवीं कक्षा में पढने वाली नाबालिग बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने 29 सितम्बर को भूपाल सिंह दानू निवासी ग्राम झूनी तहसील कपकोट जिला बागेश्वर को नागपुर महाराष्ट्र से किशोरी के साथ बरामद किया था। पूछताछ में पता चला कि हल्द्वानी में पीड़िता के पिता का होटल है। आरोपी वर्ष 2020 में वहां पर काम करता था। तब से उसकी छात्रा से जान पहचान थी। 23 सितम्बर को आरोपी छात्रा को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद छात्रा से कई बार दुष्कर्म भी किया। इस मामले में डीएनए जांच भी कराई गई, जिसमें आरोपों की पुष्टि हुई। 10 गवाहों के परीक्षण के बाद दोष सिद्ध हो गया, जिस पर अदालत ने भूपाल दानू को सजा सुनाई।

पार्किंग संचालन के लिए जल्द टेंडर करें : डीएम

हल्द्वानी ।डीएम ने वंदना ने शुक्रवार को जिला स्तरीय पार्किंग समिति की बैठक ली। उन्होंने डीडीए की कोश्याकुटौली तहसील में गरमपानी, सुशीला तिवारी अस्पताल के सामने, सिंधी चौराहे, कचहरी परिसर नैनीताल और ठंडी सडक़ क्षेत्र में पार्किंग निर्माण के लिए दिशा-निर्देश दिए। डीडीए सचिव से कहा कि पार्किंग की ऑक्युपेंसी के आधार पर पार्किंग शुल्क निर्धारित कर इसी वित्त वर्ष और आगामी वर्ष के लिए टेंडर आमंत्रित करें। पार्किंग के संचालन और रखरखाव के लिए यूजर चार्जेज के टेंडर लेने वाले को 60 प्रतिशत व संबंधित विभाग को 40 प्रतिशत की धनराशि दी जाएगी। इसके बाद कैंप कार्यालय में जिला खनन समिति की भी बैठक डीएम ने ली। जिसमें उन्होंने अवैध खनन की रोकथाम के लिए टास्क फोर्स समिति को महीने में दो बार अभियान चलाने को कहा। बैठक में विधायक लालकुआं डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, एडीएम पीआर चौहान, एसपी सिटी जगदीश चंद्र, केएमवीएन जीएम एबी बाजपेई, एसडीएम नैनीताल प्रमोद कुमार, रामनगर राहुल शाह, कालाढूंगी रेखा कोहली, हल्द्वानी परितोष वर्मा आदि रहे।

संक्षिप्त खबरें

छात्रों के झगड़े में एक के पैर में गोली मारी

देहरादून(आरएनएस) ।दोस्त के फ्लैट में रात में रुके युवक के साथ तीन लोगों ने पहले पीटा और फिर पिस्टल से गोली मार दी। गनीमत रही कि गोली उसके पैर को छेदती हुई सामने दीवार में जा लगी। घायल हालत में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित की ओर से पुलिस को शिकायत की गई है। घायल युवक और हमलावर हरिद्वार जिले के रहने वाले हैं। दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद बताया जा रहा है। लारा सिंह निवासी शेरपुर, खेलमौऊ, हरिद्वार ने बताया कि वह गुरुवार रात मसूरी रोड स्थित फॉरेस्ट रेजीडेंसी में अपने दोस्त हेमंत राजपूत के फ्लैट पर रुका था। यहां पर हेमंत राजपूत की महिला मित्र भी मौजूद थी। अभी सब लोग आपस में बात ही कर रहे थे कि रात करीब साढ़े दस बजे मुंह पर कपड़ा बांधे तीन युवक फ्लैट में घुस गए। इनमें से एक युवक ने अपनी बंदूक निकालकर लारा सिंह का गिरेबान पकड़ लिया और उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। युवक ने बंदूक की बट उसके पेट में मारी जिससे वह नीचे गिर गया। वहां मौजूद युवती ने शोर मचाया तो उन्होंने उसे भी जान से मारने की धमकी दी। इस बीच एक युवक ने पिस्तौल से गोली चला दी। गोली लारा सिंह के पैर में लगी। पैर को पार करते हुए गोली दीवार में जा लगी। लारा सिंह के अनुसार वह इन तीन में दो युवकों को पहचानता है। वह भी हरिद्वार जिले के ही रहने वाले हैं। इस घटनाक्रम की शिकायत लारा सिंह ने राजपुर पुलिस को भी दी है। एसओ राजपुर जितेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि घटना के संबंध में सूचना मिली थी। पुलिस ने मौका मुआयना किया है। शाम तक थाने में केस दर्ज करने के लिए तहरीर नहीं आई। शिकायत आने के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा। फिलहाल पुलिस मौखिक शिकायत के आधार पर जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

लोकसभा और निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस ने सभी जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन करने का निर्णय

देहरादून(आरएनएस) ।लोकसभा और निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस ने सभी जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन करने का निर्णय लिया है। पार्टी ने इसके लिए विधिवत कार्यक्रम जारी कर दिया है, सभी जगह प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा उपस्थित होंगे। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन - प्रशासन मथुरा दत्त जोशी ने बताया कि जिला सम्मेलनों की शुरुआत इसी सप्ताह देवप्रयाग से हो चुकी है। अब शेष जिलों में भी तिथियां तय कर दी गई हैं। इसमें 16 नवम्बर को चमोली, 17 को रूद्रप्रयाग और अगले दिन 18 नवम्बर को जनपद पौडी, कोटद्वार, महानगर कोटद्वार, नगर कांग्रेस कमेटी श्रीनगर का संयुक्त सम्मेलन पौडी में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 21 नवम्बर को टिहरी, अगले दिन 22 नवम्बर को उत्तरकाशी और पुरोला जिला कांग्रेस कमेटी का संयुक्त सम्मेलन उत्तरकाशी में आयोजित किया जाएगा। जोशी ने बताया कि दूसरे चरण में 25 नवम्बर को चंपावत, 26 को पिथौरागढ़, 27 को बागेश्वर और 28 को अल्मोड़ा में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सभी जगह सम्मेलन की अध्यक्षता स्वयं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा करेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलनों में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, मंडलम अध्यक्ष, सासंद, पूर्व सांसद, एआईसीसी, पीसीसी के सदस्य, विधायक, पूर्व विधायक, 2022 के विधायक प्रत्याशी, अनुषांगिक संगठन के जिलाध्यक्ष, पदाधिकारी, जिला पंचायत के अध्यक्ष, सदस्य, नगर निकायों और पंचायतों के निर्वाचित सदस्य शामिल होंगे। बैठकों में आगामी लोकसभा और निकाय चुनावों के लिए सुझाव लिए जाएंगे।

सभी लोकसभा सीटों पर भाजपा का चेहरा कमल का फूल: भट्ट

देहरादून(आरएनएस) ।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्ष की तरह उम्मीदवारी को लेकर पार्टी में कोई संशय नहीं है। भाजपा का हर लोकसभा सीट पर एक ही प्रत्याशी होगा और वो है कमल का फूल। भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने सवालों के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी हाईकमान पहले ही ऐलान कर चुका है कि लोकसभा की सभी सीटों पर एक ही उम्मीदवार कमल का फूल होगा। यही सिद्धांत उत्तराखंड की पांचों सीटों पर लागू होता है। उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर सांसदों के काम के फीड बैक को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा, पार्टी लगतार अपने सांसदों के साथ विभिन्न सांगठनिक कार्यक्रमों एवं बैठकों के माध्यम से जुड़ी रहती है।

जिलों में विकास कार्यों में गुणवत्ता के साथ आए तेजी, रैंक में ही सुधार : ज्योति प्रसाद गैरोला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 04 नवंबर। बीस सूत्रीय कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने जिले में बीस सूत्रीय कार्यक्रमों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की। एसडीजी की उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त करते हुए जिले की रैंक को और अधिक सुधारने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने के साथ ही रोजगार संबर्द्धन, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा गरीबी उन्मूलन की योजनाओं पर विशेष फोकस करने की अपील की है।उन्होंने विकास कार्यों एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के मामले में ब्लॉक स्तर पर रैंकिग की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता बताते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

बीस सूत्रीय कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने ली अधिकारियों की बैठक

उपाध्यक्ष ज्योति प्रसाद गैरोला ने जिले के अपने दो दिवसीय भ्रमण के दौरान जिला मुख्यालय पर अधिकारियों की बैठक लेकर बीस सूत्रीय कार्यक्रमों की प्रगति और एसडीजी की उपलब्धियों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए अधिकारियों को दूर-दराज के गांवों तक जाकर आम लोगों को योजनाओं की जानकारी पहुंचाने पर पूरा ध्यान देना होगा। इसके साथ ही योजनाओं के लिए आवेदन करने व स्वीकृति की प्रक्रिया भी आसान बनाई जाय। गैरोला ने कहा कि बीस सूत्रीय कार्यक्रमों में अधिकांश सूत्रों में जिले की रैंकिग अच्छी है, लेकिन जिन क्षेत्रों प्रगति कम है उसमें तुरंत सुधार लाएं, अगले दौर में इसकी विशेष समीक्षा होगी।

बैठक में जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला, जेसी चंदोला, विधायक गंगोत्री सुरेश सिंह चौहान, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विक्रम सिंह रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह राणा, जिला महामंत्री पवन नौटियाल, जिला उपाध्यक्ष विनोद बडोनी, मंडल अध्यक्ष नागेन्द्र चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष मुरारीलाल भट्ट, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरसीएस पंवार, पीडी डीआरडीए रमेश चन्द्र, मुख्य शिक्षाा अधिकारी सीएन काला, मुख्य कृषि अधिकारी जेपी तिवारी, मुख्य उद्यान अधिकारी डा. डी.के.तिवारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. बीडी ढौंडियाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

महिलाओं को मंच देकर बना रहे आत्मनिर्भर : स्मृति लाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 नवंबर। महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से ताशी आर्ट्स द्वारा इन्वोक दिवाली लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का उद्घाटन हुआ। शुक्रवार को तिलक रोड स्थित आर्ट गैलरी में दिवाली के अवसर पर कई तरह के स्टॉल प्रदर्शित किए गए।कार्यक्रम का उद्घाटन मिसेज इंटरनेशनल चांदनी सिंह जमाल, जसवंत मॉडर्न स्कूल की प्रिंसिपल मीनाक्षी गडोतरा , वाइस प्रिंसिपल कंचन सेठ , नव चेतना क्लब की प्रेसिडेंट विभा अग्रवाल, वाइस प्रेसिडेंट वर्षा मांगलिक ने रिबन काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया।

तांशी आर्ट्स में दो दिवासीय लाइफ़स्टाइल एग्जिबिशन का हुआ उद्घाटन

प्रदर्शनी में फैब्रिक में हिमानी मोहन, गीगी वैलनेस में गीगी पाठक, मृगनयनी क्रिएशन बाय मेघा गुप्ता, साइन क्रिएशन बाय नितिका बत्रा, सलवान ह्यूज बाय पीयूष अभि, लीरा बाय अवनीत कौर, थ्रेड्स एंड पेंट्स बाय अंजू गुप्ता, आराध्य डिजाइनर स्टोर बाय रश्मि सिन्हा, अरेशन बाय राधिका गुप्ता, योगवेदा बाय कुणाल मेहता, पहनावा क्रिएशन बाय सुजाता गुप्ता, रजनी कलेक्शन बाय रजनी बेदी, रिवायत बाय नेहा सचदेवा, टपरवेयर बाय नीलू सिंह, विविधा स्टोर बाय अर्चना शर्मा, थ्रेड्स वंडर बाय सुप्रिया आचार्य, एग्रिमस डेकोर बाय अनुपमा नेगी ने अपने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। आयोजक समृति लाल ने कहा कि दिवाली एक ऐसा मौका होता है जिसमें हर व्यक्ति जो काम करता है कुछ कमा कर घर जाना चाहता है और हमारा उद्देश्य उन महिलाओं को एक मंच देना है जिनके पास दुकान या शोरूम नहीं है और वह पूरी मेहनत और लगन के साथ अपना सामान यहां पर आकर प्रदर्शित करती हैं और बेचती हैं।

जड़ी-बूटी मंडी पहाड़ों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देगी मजबूती : डा. महेंद्र राणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 नवंबर। जड़ी-बूटी मंडी पहाड़ों की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी। जड़ी-बूटियों की खेती बड़ी मददगार है, जरूरत है प्रदेश सरकार द्वारा इनकी व्यावसायिक खेती, बिक्री एवं खरीददारी को बढ़ावा देने की। भारतीय चिकित्सा परिषद् उत्तराखंड के पूर्व बोर्ड सदस्य, आरोग्य मेडिसिटी इंडिया के संस्थापक व वरिष्ट आयुर्वेदिक चिकित्सक डा. महेन्द्र राणा ने ये महत्वपूर्ण बात कही।

उन्होंने बताया कि इससे न केवल किसान और ग्रामीण आर्थिकी को संबल मिलेगा, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी पंख लगेंगे। उत्तराखंड की विविध जलवायु और स्थलाकृतिक परिस्थितियां इसे विभिन्न प्रकार के औषधीय और सुगंधित पौधों की वृद्धि के लिए अनुकूल बनाती हैं। उत्तराखंड की जलवायु अतीष, कौड़ाईस, दारुहरिद्रा (किनगोड़), कीड़ा जड़ी, तुलसी, रतालू, बिच्छू घास (कंडाली), कालमेग, तगर, एलोवेरा, लेमन ग्रास आदि अनेकों जड़ी बूटियों की उच्च गुणवत्ता वाली पैदावार में सक्षम है। जड़ी-बूटियों का उपयोग पारंपरिक आयुर्वेदिक और यूनानी दवाओं में देश विदेश में औषधि निर्माताओं द्वारा किया जाता है। इन औषधीय पौधों की खेती और संग्रहण स्थानीय समुदायों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों की आय का अहम स्रोत बन सकता है। इनकी कटाई, प्रसंस्करण और इनकी बिक्री स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार और आजीविका के स्वर्णिम अवसर दे सकती है। जड़ी-बूटियों के व्यावसायिक उत्पादन और बिक्री से उत्तराखंड में हर्बल उत्पाद उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे हर्बल दवाओं, सौंदर्य प्रसाधन और आवश्यक तेलों सहित कई प्रकार के उत्पादों के निर्माण के साथ रोजगार के तमाम अवसर बढ़ेंगे।

ये करने होंगे उपाय :-

- किसानों को आधुनिक तकनीकों, टिकाऊ कृषि पद्धतियों और उच्च मांग वाली जड़ी- बूटियों की खेती का प्रशिक्षण।- उच्च बाजार मांग वाली और उत्तराखंड की जलवायु के लिए उपयुक्त जड़ी-बूटियों की पहचान कर उनका अनुसंधान।- उपज और गुणवत्ता बढ़ाने को नई किस्में और नई पद्धतियों से औषधीय फसलों की पैदावार को बढ़ावा।- जड़ी-बूटी सहकारी समितियों या संघों की स्थापना, जो किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करें। - किसानों को उनके उत्पाद बेबचने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ा जाए।- जड़ी-बूटियों को शोधित कर तेल, हर्बल चाय या हर्बल दवाओं जैसे मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने के लिए प्रोत्साहन।- किसानों को प्रीमियम बाजारों तक पहुंचने के लिए जैविक और गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त करने में सहायता।- सड़कों, भंडारण सुविधाओं और प्रसंस्करण इकाइयों जैसे ग्रामीण बुनियादी ढांचे।- किसानों को बीज, उपकरण खरीदने और कार्यशील पूंजी का प्रबंधन करने के लिए ऋण एवं सब्सिडी।- उत्तराखंड की जड़ी - बूटियों के लिए एक ब्रांड और उनकी गुणवत्ता-विशिष्टता का विभिन्न माध्यमों से समुचित मार्केटिंग एवं प्रचार।